कुल छपे पृष्ठ : 2
कुल प्रश्न : 9

बोर्ड परीक्षा परिणाम उन्नयन कार्यक्रम

मिशन सरोकार 2.0

इकाई – 2

कक्षा – 12

विषय – हिन्दी साहित्य

MS-HL[1202]

समय : 1 घण्टा पूर्णांक : 25

प्र 1. निम्न वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर दीजिए । ½×6=3

(1) 'संवदिया' पाठ किस गद्य विधा से संबंधित है ?
(अ) कहानी (ब) निबंध (स) रेखाचित्र (द) संस्मरण

(2) गाँधी जी हर दिन घूमने जाते समय सड़क के किनारे कुटिया में क्या करने जाते थे ?
(अ) वहाँ उनका परिवार रहता था । (ब) कुटिया में पशुओं की सेवा करने ।
(स) दिक् मरीजों के हालचाल पूछने । (द) गरीबों की सेवा करने ।

(3) 'प्रेमघन की छाया स्मृति' पाठ के लेखक कौन है ?
(अ) हजारी प्रसाद (ब) निराला (स) श्शुक्ल (द) भारतेन्दु

(4) बालक ने उपहार स्वरुप क्या माँगा था ?
(अ) चॉकलेट (ब) जलेबी (स) लड्डू (द) सभी

(5) बिस्कोहर की माटी पाठ में 'भसीण' का संबंध किस पुष्प से है ?
(अ) हरसिंगार (ब) चमेली (स) कमल (द) गुलाब

(6) खेतों में पानी देने के लिए बनाई जाने वाली नालियों को क्या कहते है ?
(अ) गोंजर (ब) सेवार (स) बरहा (द) बोका

प्र 2. निम्न रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए – 1×3=3

(1) जिस काव्य पंक्ति में स्वच्छता, सरलता, सहज ग्राह्यता हो उसमें ..... गुण होता है ।
(2) जब वाक्य में शब्दों का क्रम वाक्य रचना की दृष्टि से अनुचित हो वहां.....दोष होता है ।
(3) 'अजा सहेली ता रिपु जननी भरतार ताके सुत के मीत को सुमिरौ बारंबार' पंक्ति में .....दोष है ।

प्र 3. अपठित पद्यांश को पढकर निम्न प्रश्नों के उत्तर दीजिए – 1×5=5

शान्ति नहीं तब तक, जब तक, सुख भाग न नर का सम हो ,
नहीं किसी को अधिक हो, नहीं किसी को कम हो ।
ऐसी शान्ति राज्य करती है, तन पर नहीं हृदय पर ,
नर के ऊँचे विश्वासों पर, श्रद्धा, भक्ति प्रणय पर ।
न्याय शान्ति का प्रथम न्यास है, जब तक न्याय न आता,
जैसा भी हो महल शान्ति का सुदृढ नहीं रह पाता ।
कृत्रिम शान्ति सशंक आप, अपने से ही डरती है,
खड्ग छोड़ विश्वास किसी का, कभी नहीं करती है ।

प्र 1. शान्ति का प्रथम न्यास किसे कहा है ?
(अ) अन्याय (ब) न्याय (स) भक्ति (द) खड्ग

प्र 2. 'खड्ग' शब्द का क्या अर्थ है ?
(अ) महल (ब) न्यास (स) श्रद्धा (द) तलवार

प्र 3. किस तरह की शान्ति अपने आप से भयभीत रहती है ?

प्र 4. किस प्रकार की शान्ति मनुष्य के विश्वासों पर राज्य करती है ?

प्र 5. प्रस्तुत पद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए ।

→ लघुत्तरात्मक प्रश्नों के उत्तर दीजिए । **2×3=6**

प्र 4. 'ढेले चुन लो' कहानी के माध्यम से लेखक क्या संदेश देना चाहता है ?

प्र 5. सेवाग्राम में ठहरे जापानी बौद्ध की दिनचर्या क्या थी ?

प्र 6. लेखक रामचन्द्र शुक्ल अथवा फणीश्वर नाथ रेणु का साहित्य परिचय लिखो ।

→ निम्न निबंधात्मक प्रश्नों के उत्तर लिखो । **2½×2=5**

प्र 7. 'बिस्कोहर की माटी' पाठ ग्रामीण प्राकृतिक परिवेश का अद्‌भुत उदाहरण है कैसे ?

अथवा

'प्रकृति सजीव नारी बन गई'-बिस्कोहर की माटी पाठ के आधार पर इस कथन की सार्थकता सिद्ध कीजिए ।

प्र 8. रामचन्द्र शुक्ल की हिन्दी साहित्य में रुचि किस प्रकार बढी विस्तार से समझाइये ।

अथवा

'संवदिया'- के आधार पर बड़ी बहुरिया का चरित्र-चित्रण करो ।

प्र 9. निम्न की सप्रसंग व्याख्या करो । **3**

धर्म के रहस्य जानने की इच्छा प्रत्येक मनुष्य न करे, जो कहा जाए वही कान ढलकाकर सुन ले, इस सत्य युगी मत के समर्थन में घड़ी का दृष्टांत बहुत तालियाँ पिटवाकर दिया जाता है । घड़ी समय बतलाती है। किसी घड़ी देखना जानने वाले से समय पूछ लो । यदि अधिक करो तो घड़ी देखना स्वयं सीख लो किंतु तुम चाहते हो कि घड़ी का पीछा खोलकर देखें, पुर्जे गिन लें, उन्हें खोलकर फिर जमा दें, साफ करके फिर लगा लें- यह तुमसे नहीं होगा । तुम उसके अधिकारी नहीं । यह तो वेदशास्त्र धर्माचार्यों का ही काम है कि घड़ी के पुर्जे जानें, तुम्हें इससे क्या ?

अथवा

बीच बीच में आतिथ्य भी चल रहा था । अराफात हमें फल छील-छीलकर खिला रहे थे । हमारे लिए शहद की चाय बना रहे थे । साथ ही साथ इधर उधर की बातें चल रही थी - अराफात की इंजीनियरिंग की शिक्षा के बारे में , उनकी अनथक हवाई यात्राओं के बारे में , शहद की उपयोगिताओं के बारे में । शीघ्र ही हम बड़े इत्मीनान से उनके साथ बतिया रहे थे । जब भोजन का समय आया तो मैं अपनी जगह से उठा और यह अनुमान लगाकर कि गुसलखाना कमरे के पार गलियारे में होगा, मैं सीधा कमरा लाँघ गया । मेरा अनुमान ठीक निकला गुसलखाना वहीं पर था । पर मेरी झेंप का अंत नहीं था जब मैं गुसलखाने में से बाहर निकला तो अराफात तौलिया हाथ में लिए बाहर खड़े थे ।

***